झारखण्ड विधान सभा

दैनिक विवरणिका

चतुर्थ झारखण्ड विधान सभा **अष्टम्(बजट)सत्र**

संख्या-01 **मंगलवार, दिनांक-17 जनवरी, 2017 ई०।**

समय-11.00 बजे पूर्वाह्न से 01.00 बजे अप० तक ।

(माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया।)

1.प्रारंभिक वक्तव्य:-

माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा अष्टम्(बजट) सत्र एवं वर्ष-2017 के पहले सत्र में सभी माननीय सदस्यों का हार्दिक अभिनन्दन किया गया। पिछले दिनों देश में पैगम्बर मोहम्मद साहब के जन्मदिन के साथ-साथ ईसा मसीह के जन्म दिवस को भी श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इसी अवधि में गुरु गोविन्द सिंह के 350 वें जन्मोत्सव, सोहराय, लोहड़ी तथा मकर-संक्रांति जैसे महत्त्वपूर्ण त्योहारों को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिनकी मिठास अबतक मनोमस्तिष्क में विद्यमान होने सम्बन्धी माननीय अध्यक्ष द्वारा अनुभूति किये जाने की ओर संकेत करते हुए यह आशा प्रकट की गयी कि आलोच्य सत्र में इसका मिठास सदन में कायम रहेगा।

आसन द्वारा सदन को इस तथ्य से अवगत कराया गया कि प्रत्येक वर्ष विधान मण्डल को प्रथम सत्र में माननीया राज्यपाल द्वारा सम्बोधित किया जाता है। संसदीय लोकतंत्र में राज्यपाल की सदन में उपस्थिति के दिन को व्यापक सम्मान और श्रद्धा की दृष्टि से देखा जाता है। उक्त अवसर पर माननीया राज्यपाल अपना अभिभाषण सदन में देते हैं जिसे व्यापक संवैधानिक महत्त्व प्राप्त है। इसे देश के विधि आयोग सहित अनेक उच्च न्यायालयों ने भी इस अवसर की महत्ता को स्वीकार किया है। यह अवसर सदन में सदस्यों से उच्च कोटि की शालीनता और माननीय राज्यपाल के प्रति श्रद्धा की अपेक्षा करता है। सदन की कार्यवाही में व्यवधान, अभिभाषण में रुकावट की कोशिशें, समानान्तर भाषण आदि का प्रयास संसदीय व्यवस्था में निन्दनीय माना गया है। अतएव आसन द्वारा सदन से यह अपेक्षा की गयी कि माननीया राज्यपाल महोदया के भाषण के दौरान उक्त तथ्यों का ध्यान रखा जायेगा और शालीनतापूर्वक अपने स्थान पर बैठकर इसे सुनेंगे तथा उनके प्रति अपनी कृतज्ञता अभिव्यक्त करेंगे। माननीय सदस्यों को यह अवसर भी प्राप्त होगा कि वे सरकार की नीतियों का मूल्यांकन और इसकी समालोचना भी कर सकें।

इसके उपरांत माननीया राज्यपाल महोदया से प्राप्त संदेश से माननीय अध्यक्ष द्वारा सदन को अवगत कराया गया तत्पश्चात् माननीया राज्यपाल महोदया की अगवानी हेतु कुछ क्षण के लिए गये।
(इस अवसर पर माननीया राज्यपाल महोदया एवं माननीय अध्यक्ष महोदय का सदन में आगमन हुआ।)

(राष्ट्रीय धुन)

2.राज्यपाल महोदया का अभिभाषण:-

सभा सचिव द्वारा माननीय राज्यपाल महोदया से अभिभाषण दिये जाने हेतु अनुरोध किया गया।

राज्यपाल महोदया द्वारा सर्वप्रथम सभी माननीय सदस्यों का अष्टम्(बजट) सत्र में हार्दिक अभिनंदन किया गया। वर्त्तमान सरकार द्वारा सबका साथ-सबका विकास, हर हाथ को काम तथा अधिकतम विकास दर के लक्ष्य को पूरी लगन एवं निष्ठा के साथ निरन्तर प्रयास की सराहना करते हुए समाज के हर वर्गों की प्रगति, सरकार के गठन से लेकर अबतक विभिन्न चुनौतियों का सामना करने, नीतियों की समीक्षा किये जाने, एक विकसित समृद्ध एवं खुशहाल झारखण्ड के सपनों को साकार करने, सिंगल विंडो सिस्टम को लागू किये जाने, किसानों की खुशहाली, विभिन्न योजनाओं को पूर्ण किये जाने, वर्षा जल के संचयन, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम लागू किये जाने, मत्स्य उत्पादन में अग्रणी होने, आदर्श ग्राम योजना का कार्यान्वयन, विद्युत व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण किये जाने, राज्य में सड़कों का जाल बिछाये जाने, विभिन्न रेल परियोजनाओं की शुरूआत किये जाने, लाईट मेट्रो परिचालन हेतु सकारात्मक प्रयास, विधवाओं के कल्याण हेतु बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर आवास की शुरूआत किया जाना, कार्यालयों में पर्याप्त मानव संसाधन प्राप्त कराये जाने हेतु प्रयास किया जाना, स्थानीयता को परिभाषित किया जाना, मेकिंग झारखण्ड को सफल बनाने, एस.टी.पी.आई. कां निर्माण कार्य प्रारम्भ कराना, पर्याप्त शिक्षकों की नियुक्ति करना, कोल्हान एवं संथाल परगना में नये आवासीय विद्यालय की स्थापना हेतु कार्य किया जाना, राज्य में तीन नये मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की स्वीकृति प्रदान करना। वन पट्टों का वितरण किया जाना, राज्य को खुले शौच से मुक्त कराये जाने हेतु अहर्निश प्रयास, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना की शुरूआत किया जाना सहित कुल 79 बिन्दुओं को अपने अभिभाषण में माननीय राज्यपाल महोदया द्वारा समाहित किया गया। माननीय राज्यपाल महोदया के अभिभाषणोपरांत सत्तापक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा मेज थपथपाकर आभार व्यक्त किया गया।

इस क्रम में विपक्ष के कतिपय माननीय सदस्यों द्वरा विरोधस्वरूप शोरगुल किया जाता रहा। इसके उपरांत झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के सभी माननीय सदस्यों द्वारा सदन का परित्याग किया गया।

प्रभारी सचिव द्वारा अभिभाषण समाप्ति की सूचना दी गयी।

(राष्ट्रीय धुन)

इसके उपरांत माननीय राज्यपाल महोदय को ससम्मान विदा किये जाने हेतु माननीय अध्यक्ष महोदय सदन से बाहर तक गये।

(इस बीच झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के माननीय सदस्यगण सदन में आये।)

माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया।

माननीय राज्यपाल के अभिभाषण के संदर्भ में धन्यवाद प्रस्ताव पर संशोधनों की सूचना आज दिनांक-17 जनवरी, 2017 के 3.00 बजे अप० तक लिये जाने की घोषणा आसन द्वारा की गयी। सुविधा की दृष्टि से प्रत्येक दल की ओर से विधायक दल के नेता अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत कोई एक सदस्य इस संशोधन की सूचना दे सकेंगे, के संदर्भ में भी सदन को आसन द्वारा अवगत कराया गया।

3.सभापति का मनोनयन:-

झारखण्ड विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन के नियम-10 (1) के अधीन निम्नांकित माननीय सदस्यों को अष्टम्(बजट) सत्र के लिए सभापति के रूप में मनोनीत करने की घोषणा आसन द्वारा की गयी-

1. श्री स्टीफन मराण्डी, स० वि० स०
2. श्री अशोक कुमार, स० वि० स०
3. श्री फूलचन्द मण्डल, स० वि० स०
4. श्री आलमगीर आलम, स० वि० स०
5. श्रीमती गीता कोड़ा, स० वि० स०।

4.समिति का गठन:-

झारखण्ड विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन के नियम 224 (1) के अधीन चतुर्थ झारखण्ड विधान सभा के अष्टम्(बजट) सत्र के लिए कार्यमंत्रणा समिति का गठन निम्न प्रकार से किये जाने की घोषणा आसन द्वारा की गयी-

श्री दिनेश उरांव अध्यक्ष सभापति,
श्री रघुवर दास मुख्यमंत्री सदस्य,
श्री हेमन्त सोरेन नेता, प्रतिपक्ष सदस्य,
श्री सरयू राय संसदीय कार्य मंत्री सदस्य,
श्री चन्द्रप्रकाश चौधरी मंत्री सदस्य,
श्री आलमगीर आलम स० वि० स० सदस्य,
श्री प्रदीप यादव स० वि० स० सदस्य।

विशेष आमंत्रित सदस्य

श्री चन्द्रेश्वर प्रसाद सिंह मंत्री,
श्री नीलकण्ठ सिंह मुण्डा मंत्री,
श्री राधाकृष्ण किशोर मुख्य सचेतक (सत्तापक्ष),
श्री नलिन सोरेन मुख्य सचेतक (प्रतिपक्ष),
श्री स्टीफन मराण्डी स० वि० स०
श्री सुखदेव भगत स० वि० स०,
श्री रवीन्द्रनाथ महतो स० वि० स०,
श्री सत्येन्द्रनाथ तिवारी स० वि० स०,
श्री बिरंची नारायण स० वि० स०,
श्री अरुप चटर्जी स० वि० स०,
श्रीमती गीता कोड़ा स० वि० स०,
श्री राजकुमार यादव स० वि० स०,
श्री कुशवाहा शिवपूजन मेहता स० वि० स०,
श्री अनंत कुमार ओझा स० वि० स०।

नियमानुसार अध्यक्ष इस समिति के सभापति तथा सभा सचिव इसके सचिव होंगे। सभा की कार्यवाही समाप्त होने के तुरंत बाद उक्त समिति की बैठक अध्यक्षीय कार्यालय में आहूत होने की सूचना आसन द्वारा समिति के माननीय सदस्यों को देते हुए उनसे उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया।

5.औपचारिक कार्य:-

झारखण्ड विधान सभा के विगत सत्रों में उद्भूत एवं सभा द्वारा पारित विधेयकों की एक विवरणी प्रभारी सचिव द्वारा सभा पटल पर रखी गयी जिसपर माननीय राष्ट्रपति महोदय एवं माननीय

राज्यपाल महोदया द्वारा अनुमति प्रदान की गयी है और इसकी सूचना चतुर्थ झारखण्ड विधान सभा के सप्तम्(शीतकालीन) सत्र की समाप्ति के उपरांत हुई है।

माननीय राष्ट्रपति महोदय द्वारा अनुमत विधेयक की विवरणी-

क्रमांक	अनुमत विधेयक का नाम	अनुमति की तिथि	अधिनियम संख्या
1.	कारखाना (झारखण्ड संशोधन) विधेयक, 2016	17.10.2016	24/2016

माननीय राज्यपाल महोदया द्वारा अनुमत विधेयकों की विवरणी-

क्रमांक	अनुमत विधेयक का नाम	अनुमति की तिथि	अधिनियम संख्या
1.	झारखण्ड विनियोग (संख्या-04) विधेयक, 2016	23.11.2016	23/2016
2.	पिछड़े वर्गों के लिए राज्य आयोग (संशोधन) विधेयक, 2016	25.11.2016	25/2016
3.	झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर (संशोधन)विधेयक, 2016	28.12.2016	01/2017
4.	झारखण्ड निजी साहूकारी (निषेध)विधेयक, 2016	28.12.2016	02/2017

6. शोक प्रकाश:-

विगत सत्र से लेकर अबतक की अवधि में अनेक महत्त्वपूर्ण राजनेता, वैज्ञानिक, अर्थशास्त्री, कलाकार और शिक्षाविद् हमारे बीच से रूखसत हुए जिनमें झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक सदस्य व गांडेय विधान सभा के पूर्व विधायक सालखन सोरेन, मध्यप्रदेश के पूर्व राज्यपाल भाई महावीर तथा रामनरेश यादव, तमिलनाडु की मुख्यमंत्री जे. जयललिता, कश्मीर के पूर्व राज्यपाल ले.ज. एस.के सिन्हा, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री एवं तमिलनाडु के पूर्व राज्यपाल सुरजीत सिंह बरनाला, बिहार के पूर्व सांसद किशोरी सिन्हा, पूर्व केन्द्रीय मंत्री, एम.जी. मेनन तथा जयवंतीबेन मेहता, हिन्दी फिल्म जगत के महान अभिनेता ओमपुरी, टाईम्स ऑफ इंडिया के पूर्व संपादक दिलीप पड़गांवकर, पर्यावरणविद् पत्रकार एवं गांधीवादी अनुपम मिश्र जी, प्रसिद्ध अर्थशास्त्री सौमित्र चटर्जी, संत जेवियर्स कॉलेज के पूर्व प्राचार्य फादर विलियम सुरीन प्रमुख हैं। इनके प्रति आसन द्वारा शोक संवेदना व्यक्त की गयी साथ ही ललमटिया ओपेन कास्ट कोल माइंस में 18 कर्मियों के निधन, इंदौर-पटना एक्सप्रेस में 130 यात्रियों के हुए निधन, असम एवं जम्मू-कश्मीर में हुई उग्रवादी एवं आतंकवादी घटनाओं में शहीद हुए जवानों तथा मकर संक्रांति के दिन पटना के निकट गंगा नदी में हुई भीषण नौका दुर्घटना और गंगा सागर मेले में भगदड़ के दौरान मारे गये लोगों के प्रति भी शोक-संवेदना व्यक्त की गयी तदुपरांत बारी-बारी से माननीय सदन नेता एवं मुख्यमंत्री, श्री रघुवर दास, माननीय नेता प्रतिपक्ष, श्री हेमंत सोरेन, माननीय मंत्री, श्री चन्द्रप्रकाश चौधरी, माननीय सदस्य, श्री आलमगीर आलम, श्री प्रदीप यादव, श्रीमती गीता कोड़ा, श्री अरूप चटर्जी, श्री कुशवाहा शिवपूजन मेहता तथा माननीय सदस्य, श्री राज कुमार यादव द्वारा भी शोक-संवेदनायें व्यक्त की गयी तत्पश्चात् दो मिनट का मौन रखा गया।

इसके उपरांत सभा की कार्यवाही बुधवार, दिनांक-18, जनवरी, 2017 के 11.00 बजे पूर्वाह्न तक के लिए स्थगित की गयी ।

राँची,
दिनांक- 17 जनवरी, 2017 ई०।

बिनय कुमार सिंह,
प्रभारी सचिव,
झारखण्ड विधान सभा।